Deshbandhu 3 January, 2018

देश का प्रत्यक्ष विक्रय उद्योग 2021 तक 159.3 अरब रुपए

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। देश का प्रत्यक्ष विक्रय उद्योग साल 2011 से करीब दोगुना हो गया है और साल 2016 में यह 126.6 अरब रुपये रहा। इसके साल 2021 में 159.3 अरब रुपये होने की उम्मीद है, जिसकी चक्रवृद्धि सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 4.8 फीसदी है। उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा मंगलवार को जारी एक अध्ययन में यह जानकारी दी गई। इस अध्ययन में कहा गया है कि भारत में हर भागीदार की सालाना औसत बिक्री करीब 300 डॉलर की रही। अध्ययन में कहा गया है, प्रत्यक्ष बिक्री के अवसरों को भारत में बढ़ाया जा सकता है, बशर्ते एक अनुकूल वातावरण का निर्माण हो, जो नियामक ढांचे के भीतर सभी हितधारकों की रक्षा करे। वित्त वर्ष 2015-16 में देश बाजार के आकार के हिसाब से दुनिया भर में भारत की रैंकिंग में दो पायदान का सुधार देखा गया और यह 20वें स्थान पर रहा। इस खंड के दुनिया के तीन बड़े बाजार अमेरिका, चीन और कोरिया हैं। अध्ययन में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2015-16 में उद्योग में वैश्विक खुदरा बिक्री ने 183 अरब डॉलर का नया रिकार्ड बनाया। दुनिया भर में करीब 80 फीसदी देशों में बिक्री में वृद्धि हुई और उद्योग में शामिल लोगों की संख्या में वृद्धि हुई। इस अध्ययन में यह भी कहा गया है कि साल भर में पर्याप्त वृद्धि के साथ और भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान करने के कई तरीकों के बावजूद, इस उद्योग के बारे में गलत धारणा व्याप्त है और इसकी कारोबारी गतिविधियों के बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। अध्ययन में कहा गया है, इसका प्रमुख कारण नेटवर्किंग और योजनाएं हैं, जिसके माध्यम से प्रत्यक्ष बिक्री की जाती है।

भारत में हर भागीदार की सालाना औसत बिक्री करीब 300 डॉलर की रही। अध्ययन में कहा गया है, प्रत्यक्ष बिक्री के अवसरों को भारत में बढ़ाया जा सकता है - एसोचैम

Dabang Duniya 3 January, 2018

2021 तक डायरेक्ट सेलिंग उद्योग 159 अरब पर पहुंचेगा : अध्ययन

नई दिल्ली। देश का डायरेक्ट सेलिंग यानी प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग 2021 तक 159.3 अरब रुपए के स्तर को छूने का अनुमान है लेकिन स्थायी विकास के लिए कुछ सुधारों की आवश्यकता है। उद्योग मंडल एसोचैम ने एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है।

2011 के बाद से उद्योग लगातार तेजी के साथ आगे बढ़ते हुए 2016 में 126.2 अरब रुपए हो गया है। इस दौरान में इसमें करीब दोगुनी वृद्धि हुई। उद्योग की वृद्धि को आगे बनाए रखने के लिए एसोचैम ने अपने अध्ययन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक अधिनियम और प्राइज चिट एंड मनी सकुर्लेशन (बैन) अधिनियम के कुछ प्रावधानों में रियायत देने का सुझाव दिया है। जबकि सरकार इस क्षेत्र के लिए दिशानिर्देश जारी करने की तैयारी में है। अध्ययन के मुताबिक, गलत और अस्वीकृत कारोबारी गतिविधियों के बावजूद पूर्ववर्ती वर्षों में उद्योग में वृद्धि देखी गई और जिसने कई तरीकों से भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान दिया है। भारत में प्रत्यक्ष बिक्री क्षेत्र में उपभोक्ता स्वास्थ्य खंड का दबदबा है और इसके बाद सौंदर्य प्रसाधन से जुड़े खंड का स्थान आता है।

Rashtriya Sahara

3 January, 2018

डायरेक्ट सेलिंग उद्योग ₹159 अरब पर पहुंचेगा

■ नई दिल्ली।

देश का डायरेक्ट सेलिंग यानी प्रत्यक्ष बिक्री (सीधे ग्राहकों को बेचे जाने उत्पाद) उद्योग 2021 तक 159.3 अरब रुपए के स्तर को छूने का अनुमान है लेकिन स्थायी विकास के लिए कुछ सुधारों की आवश्यकता है। उद्योग मंडल एसोचैम ने एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है।

उद्योग मंडल की रपट के अनुसार वर्ष 2011 के बाद से उद्योग लगातार तेजी के साथ आगे बढ़ते हुए 2016 में 126.2 अरब रुपए हो गया है। इस दौरान में इसमें करीब दोगुनी वृद्धि हुई। उद्योग की वृद्धि को आगे बनाए रखने के लिए एसोचैम ने अपने अध्ययन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक अधिनियम और प्राइज चिट एंड मनी सर्कुलेशन (बैन) अधिनियम के कुछ प्रावधानों में रियायत देने का सुझाव दिया है जबकि सरकार इसके लिए दिशानिर्देश जारी करने की तैयारी में है।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Pioneer (Hindi) 3 January, 2018

डायरेक्ट सेलिंग उद्योग 2021 तक 159 अरब रुपए

नई दिल्ली। देश का डायरेक्ट सेलिंग यानी प्रत्यक्ष बिक्री (सीधे ग्राहकों को बेचे जाने उत्पाद) उद्योग 2021 तक 159.3 अरब रुपए के स्तर को छूने का अनुमान है लेकिन स्थाई विकास के लिए कुछ सुधारों की आवश्यकता है। उद्योग मंडल एसोचैम ने एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है। 2011 के बाद से उद्योग लगातार तेजी के साथ आगे बढ़ते हुए 2016 में 126.2 अरब रुपए हो गया है। इस दौरान में इसमें करीब दोगुनी वृद्धि हुई। उद्योग की वृद्धि को आगे बनाए रखने के लिए एसोचैम ने अपने अध्ययन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक अधिनियम और प्राइज चिट एंड मनी सर्कुलेशन (बैन) अधिनियम के कुछ प्रावधानों में रियायत देने का सुझाव दिया है।

Prayukti 3 January, 2018

159 अरब पर पहुंचेगा डायरेक्ट सेलिंग उद्योग

एजेंसी @ नई दिल्ली

देश का डायरेक्ट सेलिंग यानी प्रत्यक्ष बिक्री सीधे ग्राहकों को बेचे जाने उत्पाद उद्योग 2021 तक 159.3 अरब रुपये के स्तर को छूने का अनुमान है लेकिन स्थायी विकास के लिए कुछ सुधारों की आवश्यकता है। उद्योग मंडल एसोचैम ने एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है। 2011 के बाद से उद्योग लगातार तेजी के साथ आगे बढ़ते हुए 2016 में 126.2 अरब रुपये हो गया है। इस दौरान में इसमें करीब दोगुनी वृद्धि हुई। उद्योग की वृद्धि को आगे बनाए रखने के लिए एसोचैम ने अपने अध्ययन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति, उपभोक्ता संरक्षण विधेयक अधिनियम और प्राइज चिट एंड मनी सकुर्लेशन बैन अधिनियम के कुछ प्रावधानों में रियायत देने का सुझाव दिया है।